

श्वेत वस्त्र पर

आलस्य-अलबेलेपन की सलवटें

➤➤ Careful / Carefree / Careless

➤➤ _ ➤➤ Be Careful (सावधान)

➤➤ _ ➤➤ Be Carefree (बेफिक्र बादशाह)

➤➤ _ ➤➤ But Not Careless (अलबेला)

➤➤ किन 7 बातों पर ब्राह्मण अक्सर अलबेले होते हैं ?

➤➤ _ ➤➤ अमृतवेला

→ दूसरों को तो हम राजयोग के फायदे सुना रहे हैं

■ पर हम स्वयं राजयोग का कितना अभ्यास करते हैं ?

→ अमृतवेला के तुरंत बाद का समय - श्रेष्ठ चिंतन का समय

■ अमृतवेला करना , सोना और 6 बजे उठना.... अमृत वेला न करना

और सीधा 6 बजे उठना... इन दोनों आत्माओं की स्थिति एक जैसी होती है

➤➤ _ ➤➤ मुरली अध्यन्न

→ मुरली चिंतन क्यों आवश्यक है ?

■ अव्यक्त बापदादा :- “जो बच्चे ज्ञान का मनन चिंतन नहीं करते ...

गोया बीमार है”

■ हमें ज्ञान शक्तिशाली नहीं बनाता अपितु ज्ञान का चिंतन शक्तिशाली

बनाता है

→ मुरली का अध्यन्न कैसे करें ?

■ जैसे कोई PHD का स्टूडेंट RESEARCH करता है, वैसे

➤➤ _ ➤➤ भोजन

→ न बहुत ज्यादा भोजन, न बहुत कम भोजन

■ It Should Be Balanced.... संयम रखिये

■ जीभ को जितने वाली की बाकी सभी कर्मेन्द्रियाँ स्वतः ही वश में आ

जाती है

■ शरीर को जैसी आदत डालोगे, वैसे ही शरीर ढल जाएगा

➤➤ _ ➤➤ नींद

→ न बहुत ज्यादा नींद, न बहुत कम नींद

■ It Should Be Balanced

■ शरीर को जैसी आदत डालोगे, वैसे ही शरीर ढल जाएगा

➤➤ _ ➤➤ सम्बन्ध

→ Detachment हो, लगाव न हो

- तभी संबंधो में अलोकिकता और दिव्यता ही रह पाती है

→ अगर देहधारियों से सब कुछ शेयर करते रहेंगे

- तो उससे शेयर करना कम / बंद हो जाएगा

→ दो भिखारी एक दुसरे से मिलते हैं , एक दुसरे को संपन्न बनाने के लिए

- यही सच्चाई है देहिक हद के रिश्तों की

→ जिस पर भरोसा करोगे

- वो धोखा देगा

→ जब हज़ार भुजाएं वाला बाहें पसारे खड़ा है

- तो दो भुजा वाले के पास जाने की क्या ज़रूरत है ?

»→ _ »→ धारणाएं

→ पवित्रता

- सावधान... सावधान... सावधान...

→ बोल में शक्ति धारणाओं से ही आएगी

»→ _ »→ कर्म

→ Accuracy
